The Sameeksha (समीक्षा) Global: A Multidisciplinary Journal in Hindi
Vol. 2, Issue 2 - 2018

राजस्थान मरूधरा और बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक की राजस्थान के आर्थिक विकास मे भूमिका (2016–2017)

रेखा कुमावत*, डॉ मुकेश महावर**

शोध सार (Abstract)

जुलाई 1975 को देश की तात्कालीन प्रधाननंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित 20 सूत्री आर्थिक विकास कार्यक्रम के तथा श्रमिकों ऋण दिए जाने की व्यवस्था की गयी, जिनके क्रियान्वयन हेतु भारत सरकर ने सम्पूर्ण देश में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक स्थापित किए जाने का निर्णय किया। इन ग्रामीण बैंकों की स्थपना हेतु 26. सितम्बर 1975 को देश के राष्ट्रपति द्वारा "क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम" 1976 लागू किया गया। राजस्थान में 2 अक्टुम्बर 1975 को जयपुर व नागौर आँचलिक ग्रामीण बैंक की स्थापना की गई। इस बैंक की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण शाख का विस्तार करना था। वर्तमान में राजस्थान में दो प्रकार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं:– 1. राजस्थान मरूधरा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 2. बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक। बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना 3 फरवरी 2006 को की गई। इस बैंक की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लघु एवं सीमान्त कृषक, कृषि श्रमिक, कारीगर व छोटे उद्यमियों को ऋण सहायता व अन्य आवश्यकताओ को पूरा करना है। वर्तमान में राजस्थान में इसकी 826 शाखाएँ है तथा 52 ATM's हैं। बैंक की जमा राशि, विनियोग ऋण राशि, अग्रिम, स्थायी व अन्य सम्पतियॉ पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष वृद्धि हुई हैं। यह अध्ययन द्वितीय संमंक पर आधारित है।

सूत्रशब्द: आर्थिक विकास, क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक, वित्तिय स्थिति, विनियोग व अन्तिम जमा व ऋण।

परिचय

किसी भी देश के आर्थिक विकास में बैंकिंग प्रणाली का महत्वपूर्ण स्थान होता है। बैंकिंग प्रणाली मे किसी भी देश मे कार्य करने वाली बैंकिंग संस्थाओं को सम्मिलित किया जाता है। बैंकिंग प्रणाली में केन्द्रीय बैंक से लेकर उन समस्त संस्थाओ को सम्मिलित किया जाता है जो किसी न किसी विकास क्षेत्र जैसे कृषि, उद्योग, व्यापार, गृह निर्माण आदि के लिए वित्तिय आवश्यकताओं की पूर्ति करने का कार्य करती है।

*Research Scholar, Department of Commerce & Management, Madhav University, Pindwara, Sirohi.
**Associate Professor, Department of Commerce & Management, Madhav University, Pindwara, Sirohi.
Correspondence E-mail Id: editor@eurekajournals.com

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. **ISSN: 2581-401X**

केन्द्रीय बैंक रूप में भारतीय रिजर्व बैंक, कार्यरत है। यह बैंक बैंकिंग संस्थाओं पर नियमन व नियन्त्रण करने का कार्य करता है। इसके अतिरिक्त अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की वित्तिय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पृथक–पृथक वित्तिय संस्थाएं हैं। इन क्षेत्रों को दो भागों में बांटा गया है संगठित तथा असंगठित। असंगठित क्षेत्र में देशी बैंकर, साहुकार तथा महाजन आदि को सम्मिलित किया जाता है। संगठित क्षेत्रों में विभिन्न बैंकिंग तथा वित्तिय संस्थाओं को सम्मिलित किया जाता हैं। व्यवसायिक एवं औद्योगिक वित्त की आवश्यकता हेतु भारतीय बैंकिंग संरचना में विकास बैंकिंग संरचना भी विद्यमान है। ग्रामीण आंचलिक क्षेत्रों के लिए ग्रामीण बैंक भी स्थापित हुए है।

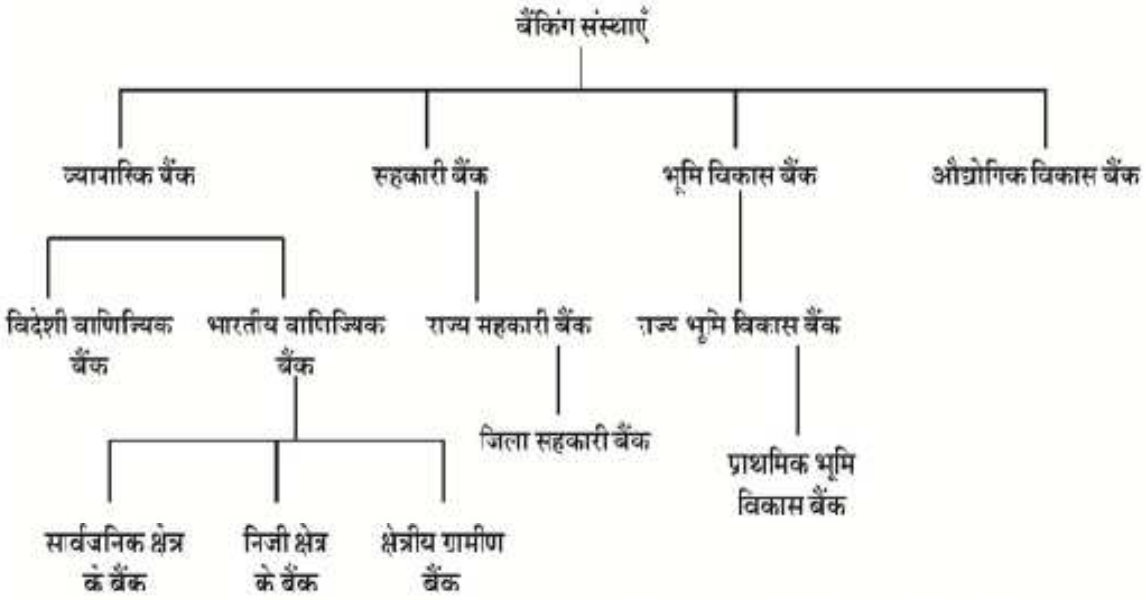

इस प्रकार भारत की बैंकिंग संरचना विस्तृत रूप लिये हुए है। भारतीय रिजर्व बैंक देश का केन्द्रीय बैंक हैं औद्योगिक क्षेत्र का विकास व वित्तिय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए IDBI शीर्ष संस्था के रूप में कार्यरत है। आयात–निर्यात बैंक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की सर्वोच्च संस्था हैं। राष्ट्रीय आवास बैंक गृह निर्माण के क्षेत्र की शीर्ष संस्था है। NABARD कृषि एवं ग्रामीण साख हेतु शीर्ष संस्था के रूप में कार्यरत हैं। भारत में बैंकिंग संस्थाओं को 5 भागों में बांटा गया है।

राजस्थान में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

जुलाई 1975 को देश की तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित 20 सुत्री आर्थिक कार्यक्रम के तथा श्रमिको को ऋण दिये जाने की व्यवस्था की गयी, जिनके क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार ने सम्पूर्ण देश में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक स्थापित किए जाने का निर्णय किया। 2अक्टूबर 1975 को जयपुर व नागौर में जयपुर नागौर आंचलिक ग्रामीण बैंक की स्थापना की गई। इस बैंक की स्थापना का मुख्य उदेष्य ग्रामीण साख का विस्तार करना था।

वर्तमान में राजस्थान में दो प्रकार के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक है :–

- राजस्थान मरूधर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
- बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

राजस्थान मरुधरा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

वित्तमंत्रालय, भारत सरकार आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) के नोटिफिकेशन F-NO. 7.9.2011 _RRB rajasthan dated 1.4. 2014 के अनुसरण में तत्कालिन राजस्थान

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-401X

मरुधरा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और मेवाड आंचलिक ग्रामीण बैंक का समामेलन से राजस्थान मरुधरा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा प्रायोजित हैं और प्रधान कार्यालय जोधपुर में है दिनांक 1.4. 2014 को अस्तित्व में आया। बैंक का कार्य क्षेत्र राजस्थान राज्य के जालौर, दौसा, जयपुर, नागौर, पाली, सिरोही, जैसलमेर, बाडमेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, बीकानेर, प्रतापगढ, राजसमन्द, तथा उदयपुर 15 जिलों में है।

यह संस्था ग्राहकों में विभिन्न जमा योजनाओं के माध्यम से जमाओं का संग्रहण करती है और विभिन्न ऋण योजनाओं के माध्यम से परिचालन क्षेत्र में सम्पूर्ण वित्तिय विकास एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी विकास के उद्देष्य से वित्त पोशण करती हैं। वर्तमान में राजस्थान में इस बैंक की 666 शाखाएँ हैं।

बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

यह बैंक 'बैंक ऑफ बड़ौदा' द्वारा प्रायोजित है। भारत सरकार द्वारा 3 फरवरी 2006 को अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भीलवाडा–अजमेर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ,बुंदी–चितौडगढ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, डूंगरपुर–बांसवाड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, का विलय बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में कर दिया गया। इसका प्रमुख कार्यालय अजमेर में है। प्रभावी नियत्रंण व नियमन के लिए बैक के तीन क्षेत्रीय कार्यालय सवाईमाधोपुर ,भीलवाड़ा व चुरु में भी है।इस बैंक की 12 जिलों अजमेर, बूंदी, दौसा, करौली, सवाईमााधोपुर, टोंक, भीलवाड़ा, चितौडगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चुरु व बीकानेर में 807 षाखाऐं है।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुख उद्देश्य

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लघु एवं सीमान्त कृषक, कृषि श्रमिक, कारीगर एवं छोटे उद्यमियों की ऋण एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना।

- देश के पिछड़े एवं जन–जाति क्षेत्रों में जहॉं सहकारी एवं वाणिज्यिक बैंकों की शाखाएँ नहीं है बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध करवाना।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास करने के लिए कृषि, लघु व कुटीर उद्योग, छोटे व्यवसाय, कारीगर व अन्य उत्पादक कार्यो के लिए वित्त उपलब्ध करवाना।
- सुदूर ग्रामीण आंचलिक क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लघु बचतों को गतिमान कर वित्तिय आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में साख सुविधाओं का विस्तार कर साहुकार का प्रभुत्व समाप्त करना।

अध्ययन का उद्देश्य

- बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक की राजस्थान के आर्थिक विकास में योगदान का अध्ययन करना।
- बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक की वित्तिय स्थिति ज्ञात करना।

अध्ययन की अवधि

राजस्थान के आर्थिक विकास में बडौदा राजस्थान क्षेत्रीग ग्रामीण विकास बैंक की भूमिका क अध्ययन करने के लिए वर्ष 2015 – 2016 व 2016–2017 अवधि का चयन किया गया।

डाटा संग्रहण

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण का वर्तमान अध्ययन द्वितीय समंकों पर आधारित हैं।

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. **ISSN: 2581-401X**

तकनीकियॉ

निम्नलिखित तकनीकियों का प्रयोग किया गया।

- प्रतिशत विधि
- रेखाचित्र व आलेख विधि
- अन्य

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक परिचय

भारत सरकार द्वारा 3 फरवरी 2006 को अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भीलवाडा–अजमेर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक बुंदी चितौडगढ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, डुंगरपुर बाँसवाडा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का विलय बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में कर एक नया नाम बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रखा गया। यह बैंक "बैंक ऑफ बडौदा" द्वारा प्रायोजित हैं। इसका प्रमुख कार्यालय अजमेर में है। प्रभावी नियंत्रण व नियमन के लिए बैंक के तीन क्षेत्रीय कार्यालय सवाईमाधोपुर, भीलवाडा व चुरू में हैं।

विभिन्न नवीन योजनाएँ

प्रधानमंत्री जीवन ज्योतिबीमा योजना

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सहभागी बैंकों के बचत बैंक खाता धारक, जिसकी उम्र 18 वर्ष (पूर्ण) से 50 वर्ष तक के बीच की पात्रता है। "नामाकन अवधि के पश्चात् योजना में शामिल होने के लिए प्रत्येक पात्र सदस्य द्वारा "सहमति सह घोषणा फार्म" के अनुसार बीमा कम्पनी द्वारा यथोपेक्षित स्वास्थ्य के संतोषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करेगा। बीमित सदस्य की मृत्यु होने पर नामिति को 2,00,000 रूपये देय होंगे समाप्ति की तारीख से पूर्व सदस्य की मृत्यु होने पर बीमा के अन्तर्गत बीमित राशि, नामित लाभार्थी को देय होगी, बशर्ते की उक्त सदस्य के सम्बन्ध में प्रीमियम का भुगतान करके बीमा को जारी रखा जाए। योजना के अन्तर्गत जारी किए जाने वाले सारी बीमा, कवर भारतीय सविदा के अन्तर्गत ही होंगे और वे यथोसंशोधित बीमा अधिनियम 1938 एवं आयकर अधिनियम 1961 तथा तदन्तर जारी किसी भी प्रकार के कानून, सहित भारतीय कानूनों के तहत ही होंगे। इस पॉलिसी के तहत किसी भी प्रकार का कोई अभ्यर्पण मूल्य तथा परिपक्वता लाभ देय नही होगा।

सुलभ ऋण योजना

राज्य सरकर, केन्द्र सरकार, बैंक वित्तिय संस्थाओं, अर्द्ध शहरी, शहरी निगम निकायों के नियमित कर्मचारी शैक्षणिक संस्थाएँ, व्यवसायिक स्वरोजगारी, प्रख्यात औद्योगिक सस्थाओ से सेवारत कर्मचारी इस योजना के लिए पात्र होंगे। भुगतान की अधिकतम 60 समान किश्तों में होगी।

ऋण सीमा निम्नलिखित प्रकार से होगी :–

1. कुल मासिक वेतन का 18 गुना अधिकतम–0.00 लाख
2. वर्तमान कुल कटौतियाँ+प्रस्तावित ऋण की किश्तो का योग मासिक वेतन के 60% से अधिक नहीं होना चाहिए। ऋण राशि 5.00 लाख से अधिक होने पर वर्तमान कुल कटौतियाँ प्रस्तावित ऋण की किश्तों का योग मासिक वेतन के 50% से अधिक नहीं होना चाहिए।
3. गैर वेतन भोगी आवेदकों द्वारा आयकर रिटर्न मे दर्शायी गई शुद्ध आय (आयकर घटाने के बाद) की आय का ढाई गुना तक।

अटल पेंशन योजना

अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत 18–40 साल के बीच के सभी नागरिक बैंक की किसी भी शाखा से जुड सकते हैं। इस योजना के तहत 60 वर्ष की उम्र के बाद

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-401X

1000 रू प्रति माह, 5000 रू की मासिक पेंशन की गारंटी दी जाती हैं। कुल राशि का 50% भारत सरकार इस योजना के अन्तर्गत सहभगिता देती हैं।

डिजिटल पेमेंट प्रोत्साहन योजना

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा ग्राहकों को सुविधा व डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल पेमेंट प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की गई। योजना अवधि 16.10.2017 से 7.1.2018 तक रखी गयी। इसके लिए निम्नलिखित सुविधाएँ दी गयी :–

- ATM कार्ड से लेनदेन
- रूपे किसान कार्ड से लेनदेन
- कार्ड से स्वाइप कर स्टोर पर भुगतान करें।
- मोबाइल बैंकिंग लेनदेन करें।
- IMPS से धन प्रेषण सुविधा।
- इन्टरनेट बैंकिंग का उपयोग।
- मर्चेन्ट Mpos पर भुगतान करें।

शाखाएँ

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की वर्तमान में 826 शाखाऐं हैं। जो कि 12 जिलों अजमेर, बूंदी, दौसा, करौली, सवईमाधोपुर, टोंक, भीलवाडा, चितौडगढ, डुंगरपुर, बाँसवाडा, चुरू तथ बीकानेर में हैं। जिलेवार शाखाओं को निम्नलिखित सारणी द्वारा दर्शाया गया हैं –

क्र स.	जिला	शाखा
1	भीलवाडा	53
2	अजमेर	29
3	अलवर	76
4	बॉसवाडा	28
5	बॉरा	33
6	भरतपुर	39
7	बीकानेर	12
8	बुंदी	34
9	चित्तौडगढ	37
10	चुरू	69
11	दौसा	03
12	धोलपुर	14
13	डुंगरपुर	27
14	झालावाड	31
15	झुंझनु	93
16	करोली	22
17	कोटा	49
18	प्रतापगढ	12
19	सवाईमाधोपुर	26
20	सीकर	100
21	टोंक	38

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा तीव्र गति से बैंकिंग विस्तार किया गया। इन बैंकों द्वारा दुर्गम यातायात की दृष्टि से पिछड़े क्षेत्रों में भी बैंक स्थापित कर कीर्तियॉ स्थापित की है।

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय बैंक की वित्तीय स्थिति

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की वित्तीय स्थिति तुलनात्मक रूप से 31.3.2016 तथा 31.3.2017 को निम्न प्रकार से थी–

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-401X

Liabilities	31-3-2017	31-3-2016	Assets	31-3-2017	31-3-2016
Capital	3093380	3093380	Cash & Balance with reserve & surplus	5589429	4482035
Reserve & Surplus	6117179	5106105	Balance with Banks Of Money at call and short notice	22544838	13499250
Deposits	1,22,149877	99818178	Investment	29457301	22005316
Borrowing	15743258	12811821	Advance	87292833	78686979
Other Liabilities	2354545	2141426	Fixed Assets	218738	194319
Share Capital deposits	0	0	Other Assets	4355100	4103011
	149458239	**122970910**		**149458239**	**122970910**

Source: - www.brkgb.com

जमा राशि

उपरोक्त तुलनापत्र देखने पर पता चलता है 2016 में जमा राशि 99818178 थी 2017 में बढकर 122149877 हो गयी अर्थात् 2017 में जमाराशि बढकर 22331699 हो गयी। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष जमा राशि में 22. 37 प्रतिशत वृद्वि हुई है। इस ग्रामीण बैंक की जमाराशि निरन्तर बढ रही है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों मे जमा संग्रहण मे भी उल्लेखनीय भूमिका का निर्वाह किया है। इन बैंकों द्वारा छोटे–छोटे ग्रामीण क्षेत्रों से छोटी–छोटी बचते एकत्रित कर यह विशाल जमा राशियॉ संगृहित की गई है।

ऋण

उपरोक्त तुलनपत्र देखने पर पता चलता है कि 31.3.2016 में ऋण राशि 12811821 थी तथा 31.3.2017 को ऋण राशि 15743258 थी।पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ऋण राशि में 22.81 प्रतिशत वृद्वि हुई है। बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अपने ग्राहकों को ऋण देता है। बैंक द्वारा दिये जाने वाली पिछले वर्ष की तुलना मे ऋण राशि में 22.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त साख सुविधाओं का विस्तार किया हैं।

नकद राशि

31.3.2016 को नकद शेष RBI के साथ 4482035 था तथा 31.3.2017 को नकद शेष 5589429 था। इस प्रकार एक वर्ष में नकद शेष भी बढा हैं।

विनियोग एवं अग्रिम

उपरोक्त तूलन पक्ष देखने पर पता चलता है 31.3.2016 तक विनियोग 22005316 था जो 31.3.2017 को 29457301 हो गया अर्थात् एक वर्ष विनियोग भी बैंक द्वारा बढाया गया। अग्रिम 31.3.2016 को 78686979 था तथा 31.3.2017 को 87292833 था अग्रिम राशि मे भी वृद्वि हुई हैं।

स्थायी सम्पति व अन्य सम्पतियाँ

उपरोक्त तूलन पक्ष को देखने पर पता चलता है विभिन्न वर्षो में निरन्तर स्थयी व अन्य सम्पतियों में बढोतरी हुई हैं।

सारांश

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक ने निरन्तर अपने क्षेत्र में प्रगति की हैं। राजस्थान के अर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण योगदन रहा हैं। अटल पेंशन योजना, सुलभ ऋण योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व अन्य

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-401X

योजनाओं मे ग्राहको को पर्याप्त लाभ दिया है। वर्तमान में इस ग्रामीण बैंक की शाखाएँ 826 हैं तथा 52 ATM's है अर्थात् इस बैंक ने निरन्तर अपनी शाखओं का विस्तार किया हैं। यह बैंक Mobile Banking व E-banking सुविधा भी ग्राहकों प्रदान करता हैं। इस बैंक का तुलन पत्र देखने पर पता चलता है कि बैंक क नकद शेष, विनियोग, अग्रिम व स्थायी व अन्य सम्पतियों में भी निरन्तर वृद्धि हुई हैं। बैंक द्वारा दिए जाने वाले ऋण में भी वृद्धि हुई हैं। इस बैंक द्वारा डिजिटल पेमेंट प्रोत्साहन योजना भी प्रारम्भ की गयी। इस प्रकार राजस्थान के आर्थिक विकास में बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की विशेष भूमिका रही हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. www.brkgb.com.
[2]. www.rbi.org.in.
[3]. www.nabard.org.
[4]. Shukla, Dr. Sunil, London Neem, Vol 7 (Spring 2011). pg. 125 130 Gurukul Business review (GBR) ISSN: 0973-1466.
[5]. A. Sudarshana reddy and Prof. A. Padmavathi (2013), Growth and Performance of regional rural Banks in India, International Journal of Scientific research, Volume 2, November 2013, pg. 119 - 120.

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-401X